



भारत का राजसभा The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३०]

नई विल्सो, शनिवार, जुलाई २८, १९७९ (श्रावण ६, १९०१)

No 301

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 28, 1979 (SRAVANA 6, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई विवितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम व्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विवितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—प्रधिनियम, प्रध्यादेश और विनियम

भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रबन्ध समितियों की रिपोर्टें

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के प्राप्तगत बनाए भारत

459

1917

भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के प्राप्तगत बनाए भारत जारी किए गए वारें और ग्रंथिसूचनाएं

915

2163

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रंथि-सूचित विधिक नियम और आदेश

37

253

भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ नोड सेवा आयोग, रेस प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के प्रधीन तथा संख्यन कार्यालयों द्वारा जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं

665

5675

भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकता द्वारा जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं और नोटिस

—

455

भाग III—खण्ड 3—प्रूप्य ग्राहकों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं

—

81

भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक ग्रंथिसूचनाएं जिनमें ग्रंथि-सूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और नैर-सरकारी संस्थाओं के विवापन तथा नोटिस

1873

95

CONTENTS

PART	SECTION	PAGE	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
PART I	SECTION 1.—Notification relating to Non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	459		1917
PART I	SECTION 2.—Notifications regarding Ap- pointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Minis- tries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court ..	915		2163
PART I	SECTION 3.—Notifications relating to non- Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence ..	37		253
PART I	SECTION 4.—Notifications regarding Ap- pointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	665		455
PART II	SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regula- tions.	—		81
PART II	SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills ..	—		1873
PART II	SECTION 3.—Sub-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—		95
			(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	
			PART II—SECTION 3.—Sub-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	
			PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	
			PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	
			PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	
			PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissio- ners ..	
			PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertise- ments and Notices issued by Statutory Bodies ..	
			PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई अधिकृत नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गण्डपति सचिवालय

नई दिल्ली, फिल्मोंक 19 जुलाई 1979

सं. 32 प्रेज/79—राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार संस्थापित करने हैं जो “सप्त वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Seven Years Long Service Medal तथा “द्वादश वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Twelve years long service Medal कहलाएंगे और इस नियमित निम्नलिखित ग्रन्थादेश नियमित, व्यवस्थापित एवं स्थापित करते हैं। ग्रन्थादेश इन अधिसूचना के जारी होने की तारीख में सात्/सप्त, जाएंगे।

“सप्त वर्ष दीर्घ सेवा मैडल”

प्रथम : यह मैडल “सप्त वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Seven Years Long Service Medal कहलाएगा (इसके पश्चात इसको मैडल कहा जायेगा)।

द्वितीय : मैडल तार्फानिकल से बना गोल आकृति में 35 मिलीमीटर व्यास का होगा जिसे सारे समस्त वार के साथ अधिकृत तरीके से सगाया जाएगा। मैडल के सामने वाले भाग पर राष्ट्र चिह्न उभरा होगा और उसके ऊपरी किनारों में “राष्ट्रीय कैडेट कोर” “National Cadet Corps” अंकित होगा तथा राष्ट्र चिह्न के नीचे किनारों पर “द्वादश वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Twelve Years Long Service Medal अंकित होगा मैडल के पृष्ठ भाग पर राष्ट्रीय कैडेट कोर का शिखर चिह्न होगा और उसके नीचे किनारों के माध्य-माध्य देवनागरी में राष्ट्रीय कैडेट कोर का आदर्श वाक्य “एकता और अनुशासन” अंकित होगा। मैडल का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय : मैडल 32 मिलीमीटर चौड़े रेशमी रिबन से बधास्थल पर बारी और लटकाया जाएगा। रिबन का रंग गुलाबी होगा जिसमें लाल, गहरे नीले और हल्के नीले रंग की तीन छाँटी पट्टियां होंगी। प्रत्येक पट्टी की चौड़ाई तीन मिलीमीटर होती है। लाल और हल्के नीले रंग की पट्टियां किनारे पर होंगी और गहरे नीले रंग की पट्टी बीच में होंगी। हल्का नीला रंग बाला भाग बाएं कंधे के निकट होगा।

चतुर्थ : यह मैडल राष्ट्रीय कैडेट कोर के उन सभी कमीशन प्राप्त अफसरों और कैडेट अनुब्रेशकों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने राष्ट्रीय कैडेट कोर में निरंतर 7 वर्ष तक उच्च स्तर की निष्कलंक सेवा पूरी की हो और कम से कम चार वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों और एक पुनर्जनर्यापायक्रम में भाग लिया हो।

पंचम : मैडल प्राप्तकर्ता द्वारा विशेष अवसरों पर धारण किए जाने वाले मैडल का लघुरूप, मैडल का आधा होगा तथा कथित लघुरूप का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

छठम : किसी अधिकृत को प्रदान किए गए मैडल की रह एवं निराकरण करने तथा बाद में उसे पुनः वापस देने के लिए राष्ट्रपति सकाम होंगे।

सप्तम : सरकार ऐसे अनुदेश जारी करने के लिए सकाम होंगी जो इन अध्यादेशों के प्रयोजनों की पूर्ति के लिए आवश्यक होंगे।

“द्वादश वर्ष दीर्घ सेवा मैडल”

प्रथम : यह मैडल “द्वादश वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Twelve Years Long Service Medal कहलाएगा (इसके पश्चात इसको मैडल कहा जायेगा)।

द्वितीय : मैडल तार्फानिकल से बना गोल आकृति में 35 मिलीमीटर व्यास का होगा जिसे सारे समस्त वार के साथ अधिकृत तरीके से सगाया जाएगा। मैडल के सामने वाले भाग पर राष्ट्र चिह्न उभरा होगा और उसके ऊपरी किनारों में “राष्ट्रीय कैडेट कोर” “National Cadet Corps” अंकित होगा तथा राष्ट्र चिह्न के नीचे किनारों पर “द्वादश वर्ष दीर्घ सेवा मैडल” Twelve Years Long Service Medal अंकित होगा मैडल के पृष्ठ भाग पर राष्ट्रीय कैडेट कोर का शिखर चिह्न होगा और उसके नीचे किनारों के माध्य-माध्य देवनागरी में राष्ट्रीय कैडेट कोर का आदर्श वाक्य “एकता और अनुशासन” अंकित होगा। मैडल का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

तृतीय : मैडल 32 मिलीमीटर चौड़े रेशमी रिबन से बधास्थल पर बारी और लटकाया जाएगा। रिबन का रंग गुलाबी होगा जिसमें लाल, गहरे नीले और हल्के नीले रंग की तीन छाँटी पट्टियां होंगी। प्रत्येक पट्टी की चौड़ाई तीन मिलीमीटर होती है। लाल और हल्के नीले रंग की पट्टियां किनारे पर होंगी और गहरे नीले रंग की पट्टी बीच में होंगी। हल्का नीला रंग बाला भाग बाएं कंधे के निकट होगा।

चतुर्थ : यह मैडल राष्ट्रीय कैडेट कोर के उन सभी कमीशन प्राप्त अफसरों और कैडेट अनुब्रेशकों को प्रदान किया जाएगा जिन्होंने राष्ट्रीय कैडेट कोर में निरंतर 12 वर्ष सक उच्च स्तर की निष्कलंक सेवा पूरी की हो और कम से कम चार वार्षिक प्रशिक्षण शिविरों और दो पुनर्जनर्यापायक्रमों में भाग लिया हो।

पंचम : मैडल प्राप्तकर्ता द्वारा विशेष अवसरों पर धारण किए जाने वाले मैडल का लघुरूप मैडल का आधा होगा तथा कथित लघुरूप का एक मुद्राकृत प्रतिरूप सुरक्षित रखा जाएगा।

छठम : किसी अधिकृत को प्रदान किए गए मैडल को रह एवं निराकरण करने तथा बाद में उसे पुनः वापस देने के लिए आवश्यक होंगे।

सप्तम : सरकार ऐसे अनुदेश जारी करने के लिए सकाम होंगी जो इन अध्यादेशों के प्रयोजनों की पूर्ति के लिए आवश्यक होंगे।

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली - 110001 16 जुलाई 1979

सं० 4/1/77-आर० सी० सी०—राज्य सभा के सम्बोधन में श्री एम० आनन्दम के रेलवे उपकरण द्वारा मामात्य राजस्व में देव लाभान्व की दर तथा सामान्य वित्त की तुलना में रेल वित्त से संबंधित अनुपयोगी सामग्री का पुनरावृत्त करने वाली संगठनीय समिति से व्यापक बोने पर उनके स्थान पर श्री संवेषण कृष्णराम नाम समिति का इनाम 12 जुलाई, 1979 को इस समिति का सदस्य नामनिर्दिष्ट किया है।

के० सी० रस्तोगी,
अधिकृत वित्तीय समिति अधिकारी

संस्कृति विभाग

नई दिल्ली, विनांक 9 जुलाई 1979

संकल्प

सं० एफ० 11-43/77-सी०ए०१ (I) (सी०ए०१) —समय-समय पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसंधान, सर्वेक्षणों तथा अन्य कार्यकालापों की प्रगति को समीक्षा करने तथा सरकार को सिफारिशें करने के उद्देश्य से विभाग और युवक सेवा मंत्रालय के संकल्प संख्या एक० 4-5/69-एम०-III दिनांक 1 भित्तिकर, 1959 द्वारा एक सलाहकार समिति गठित की गई थी। उस संकल्प को रद्द करते हुए राष्ट्रपति एवं वृत्तवारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सलाहकार समिति को सहृदय पुनर्गठित करने हैं इसका गठन तथा विचाराधीन विषय निम्नलिखित होगे—

(क) गठन

1. डा० एम० सी० शिल्पा अध्यक्ष
[कुलपति]
विश्वभारतीय शास्त्र निकेतन।
2. प्रोफेसर एस०प्राप्तार० के० चौपड़ा, सदस्य
मानव-विज्ञान विभाग,
पंजाब विश्वविद्यालय,
चंडीगढ़।
3. महानियेशक सदस्य
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।
4. मंयुक्त भवित्व/संयुक्त शिक्षा सलाहकार, सदस्य
सांस्कृतिक वाय प्रभाग।
5. निदेशक, सदस्य-सचिव
भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता।

(ख) विचाराधीन विषय

- (i) समय-समय पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसंधान, सर्वेक्षणों और अन्य कार्यकलापों की प्रगति की समीक्षा करना तथा उनके संबंध में सरकार को सिफारिशें करना।
- (ii) भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण और विश्वविद्यालयों के समाजिक विज्ञान-विद्यार्थियों के बीच विशेषकर सहकारी अनुसंधान पर जेनाओं, कार्मिकों के विनिमय, विशेष

प्रबन्धनों, सेमिनार्डों, संगोष्ठियों और प्रकाशनों के संदर्भ में, सहयोग के लिए विशेष उपायों की सिफारिश करना।

(iii) विशेषकर सरकार द्वारा विशिष्ट रूप से इसे भेजे गए सभी मामलों के संबंध में सलाह देना।

2. सलाहकार समिति के गदरको का कार्यकाल तीन वर्ष होता। तथापि, सरकार बिना कोई कारण बताएँ तीन वर्ष को अवधि पूरी होने से पहले किसी भी सदस्य की सदस्यता को समाप्त कर सकती है।

3. समिति की बैठकें, प्रायः आवश्यकता के अनुसार होती, परन्तु एक वर्ष में कम से कम एक बार।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इम संकल्प की एक प्रति भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण की सलाहकार समिति के सभी सदस्यों को भेजो जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि आम सूचना के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

धीरेन्द्र नारायण सर्वेक्षण,
उप-शिक्षा सलाहकार,

कर्जा मंत्रालय (विद्युत विभाग)

नई दिल्ली, विनांक 5 जुलाई 1979

सं० 50/21/77-प्रशा०-I—विद्युत हंजीनियर, प्रशिक्षण सोमाइटी के नियमों एवं विनियमों के नियम 21 (ब) के अनुसरण में, निम्नलिखित को उक्त सोसाइटी के शासी परिषद् के सदस्य होने के लिए इस अधिसूचना की तारीख से 2 वर्षों की अवधि के लिए नामित किया जाता है।

1. श्री शी० वी० कपूर, अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय ताप-विद्युत निगम, नई दिल्ली।
2. श्री जे० सी० शाह, अध्यक्ष, गुजरात राज्य विद्युत बोर्ड, बोद्धा।
3. प्रो० एस० आर० चटर्जी, डीन, प्रबन्ध अध्ययन संकाय, विल्ली विश्वविद्यालय, विल्ली।
4. प्रो० के० पार्थ सारथी, प्रोफेसर, विद्युत हंजीनियरी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर।
5. डा० सी० एस० शा, भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली।

पी० एम० वेलिअप्पा,
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 19th July 1979

No. 32-Pres/79.—The President is pleased to institute two Awards to be designated the "सत्र वर्ष दीर्घ सेवा मेडल", "SEVEN YEARS LONG SERVICE MEDAL" and the "त्राय वर्ष दीर्घ सेवा मेडल", "TWELVE YEARS LONG SERVICE MEDAL" and in this behalf to make, ordain and establish the following ordinances which shall be deemed to have effect from the date of issue of this Notification.

SEVEN YEARS LONG SERVICE MEDAL

Firstly :—The Medal shall be styled and designated the सत्र वर्ष दीर्घ सेवा मेडल "SEVEN YEARS LONG SERVICE MEDAL" (hereinafter referred to as the medal).

Secondly :—The Medal shall be circular in shape, made of cupro-nickel, 35 millimetres in diameter and fitted to a plain horizontal bar with standard fitting. It shall have embossed on its obverse the State Emblem and the inscriptions "National Cadet Corps" गण्डीय कैडेट कोर along the rim above and "Seven Years Long Service Medal", सत्र वर्ष दीर्घ सेवा मेडल below the State Emblem, along the rim. On its reverse it shall have NCC Crest with NCC Motto "EKTA AUR ANUSHASAN" written in Devnagri Script below along the rim. A sealed pattern of the medal shall be deposited and kept.

Thirdly :—The medal shall be worn suspended from the left breast by a silk ribbon which shall be 32 millimetres in width. The ribbon shall have stripes of red, dark-blue and light-blue colours, in equal parts in that order and appearing thrice in same order, the light-blue colour being worn nearest to the left shoulder.

Fourthly :—The medal shall be awarded to all NCC Commissioned Officers and Cadet Instructors who have completed 7 years continuous unblemished service of proven capacity in the NCC and have attended not less than four Annual Training Camps and one refresher course.

Fifthly :—The miniature medal which may be worn on certain occasions by recipients shall be half the size of the medal and a sealed pattern of the said miniature medal shall be deposited and kept.

Sixthly :—It shall be competent for the President to cancel and annul the award of the medal to any person also to restore it subsequently.

Seventhly :—It shall be competent for the Government to frame such instructions as may be necessary to carry out the purposes of these ordinances.

TWELVE YEARS LONG SERVICE MEDAL

Firstly :—The medal shall be styled and designated the "त्राय वर्ष दीर्घ सेवा मेडल" "TWELVE YEARS LONG SERVICE MEDAL" (hereinafter referred to as the medal).

Secondly :—The medal shall be circular in shape, made of cupro-nickel 35 millimetres in diameter and fitted to a plain horizontal bar with standard fitting. It shall have embossed on its obverse the State Emblem and the inscriptions "National Cadet Corps" गण्डीय कैडेट कोर along the rim above and "Twelve Years Long Service Medal" त्राय वर्ष दीर्घ सेवा मेडल below the State Emblem, along the rim. On its reverse it shall have NCC Crest with NCC Motto "EKTA AUR ANUSHASAN" written in Devnagri Script below along the rim. A sealed pattern of the Medal shall be deposited and kept.

Thirdly :—The medal shall be worn suspended from the left breast by a silk ribbon which shall be 32 millimetres width. The ribbon shall be of pink colour with three vertical stripes, each three millimetres in width, of red, dark-blue and light-blue colours, the red and light-blue stripes being on the edges and the dark-blue in the centre, the light-blue colour being worn nearest to the left shoulder.

Fourthly :—The Medal shall be awarded to all NCC Commissioned Officers and Cadet Instructors who have completed 12 years continuous and unblemished service of proven capacity in the NCC and have attended not less than seven Annual Training Camps and two refresher courses.

Fifthly :—The miniature medal which may be worn on certain occasions by recipients shall be half the size of the medal and a sealed pattern of the said miniature medal shall be deposited and kept.

Sixthly :—It shall be competent for the President to cancel and annul the award of the medal to any person also to restore it subsequently.

Seventhly :—It shall be competent for the Government to frame such instructions as may be necessary to carry out the purposes of these ordinances.

K. C. MADAPPA,
Secretary to the President

LAK SABHA SECRETARIAT

New Delhi-1, the 16th July 1979

No. 4/1/77-RCC.—Shri Santosh Kumar Sahu, Member, Rajya Sabha, has been nominated by the Chairman, Rajya Sabha, on the 12th July, 1979, to be a member of the Parliamentary Committee to review the Rate of Dividend Payable by the Railway Undertaking to General Revenues as well as Other Ancillary Matters in connection with the Railway Finance vis-a-vis General Finance vice Shri M. Anandam resigned from the Committee.

K. C. RASTOGI
Senior Financial Committee Officer

DEPARTMENT OF CULTURE

New Delhi, the 9th July 1979

RESOLUTION

No. F.11-43/77-CAT(1)(CH1).—With a view to reviewing the programmes of research, surveys and other activities of the Anthropological Survey of India from time to time and making recommendations to Government, an Advisory Committee was constituted vide the Ministry of Education and Youth Services Resolution No. F.4-5/69-S.III dt, 1st September, 1969. In supersession of that Resolution, the President is hereby pleased to reconstitute the Advisory Committee for the Anthropological Survey of India with the following composition and terms of reference :—

(a) Composition

Chairman

- Dr. S. C. Sinha,
Vice-Chancellor,
Visva-Bharati,
Santiniketan.

Members

- Professor S. R. K. Chopra,
Department of Anthropology,
Panjab University,
Chandigarh.
- Director General,
Archaeological Survey of India.
- Joint Secretary/Joint Educational Adviser,
Cultural Heritage Division.

Member-Secretary

- Director,
Anthropological Survey of India,
Calcutta.

(b) *Terms of reference*

(i) To review the programmes of research, surveys and other activities of the Anthropological Survey of India from time to time and to make recommendations to the Government upon them.

(ii) To recommend specific measures for collaboration between the Anthropological Survey of India and University Departments of Social Sciences with particular reference to cooperative research projects, exchange of personnel, special studies, seminars, symposia and publications.

(iii) To advise on all other matters that might be specifically referred to it by the Government.

2. The term of office of members of the Advisory Committee may be three years. The Government may, however, terminate the membership of any member before the completion of the tenure of three years without assigning any reason.

3. The Committee shall meet as often as necessary but at least once a year.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all the members of the Advisory Committee for the Anthropological Survey of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

D. N. SAKSENA
Dy. Educational Adviser

**MINISTRY OF ENERGY
DEPARTMENT OF POWER**

New Delhi, the 5th July 1979

No. 50/21/77-Adm.I.—In pursuance of Rule 21(b) of the Rules and Regulations of the Power Engineers' Training Society, the following are nominated for a period of two years, from the date of Notification, to be members of the Governing Council of the said Society :—

1. Shri D. V. Kapur,
Chairman & Managing Director,
National Thermal Power Corporation,
New Delhi.

2. Shri J. C. Shah,
Chairman,
Gujarat State Electricity Board,
Baroda.

3. Prof. N. R. Chatterjee,
Dean,
Faculty of Management Studies,
Delhi University, Delhi.

4. Prof. K. Parthasarathy,
Professor of Electrical Engineering,
Indian Institute of Science,
Bangalore.

5. Dr. C. S. Jha,
Indian Institute of Technology,
New Delhi.

P. M. BELLIAPPA
Jt. Secy.